मैथिली प्राक्शास्त्री

प्राक्शास्त्री प्रथम सत्रार्द्ध

प्राठयांश - मैथिली भाषा प्रवेश - 1

मैथिली भाषा प्रवेश-तिलकोर भाग-1		
1.	प्रथम भाग	1. तिलकोर भाग-1 2. गद्य-तिलकोर-आधुनिक कालक साहित्यकार लोकनिक परिचय 3. कथा 4. नाटक-हथटुटा कुर्सी 5. उपन्यास-नैका वनजारा

मैथिली भाषा प्रवेश-2 तिलकोर-पद्यखण्ड		
1.	द्वितीय भाग	1. तिलकोर-पद्यखण्ड 2. वय सन्धि-विद्यापति 3. उमापति-हर-हरी 4. चन्दा झा-मिथिला वर्णन 5. मुसरी झा: तन्त्रनाथ झा

मैथिलीभाषा प्रवेश-3		
1.	तृतीय चतुर्थ भाग	1. तिलकोर-साहित्यकार, नाटककार, उपन्यासकार लोकनिक परिचयक संग-संग व्यक्तित्व आ कृतित्वक परिचय आ छात्र लोकनिक पठन-पाठनक लेल उपयोगी तत्व 2. मैथिली साहित्य 3. समीक्षा-वृत्ति 4. ग्रामसेविका 5. जर्मनी-यात्रा 6. सैदा आओर हमीदा 7. नैका वनिजारा

मैथिली भाषा प्रवेश-4		
1.	पञ्चम भाग	1. पञ्चमी वर्त्तमानकाल, भूतकाल 2. भविष्यकाल 3. ओ गेला-भूतकाल 4. ओ जा रहल छथि-वर्तमानकाल 5. ओ जेता-भविष्यकाल 6. षष्ठि 7. षष्ठिक प्रयोग 8. सप्तमी 9. सप्तमीक प्रयोग

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष प्रथम सत्रार्द्ध

पाठ्यांश-03 उच्चारण कौशल

उच्चत्तर व्याकरण		
1.	उच्चत्तर व्याकरण	
मैथिली-उच्चत्तर व्याकरण		
1.	शमेश्वर रमायण	
उच्चारण करबाक कला		
1.	विभिन्न शब्द प्रयोग	विभिन्न शब्द भिन्न रूप सँ बजबाक कला-राम, हरि फल, मूल आदि